

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स • नई दिल्ली • बुधवार, 25 फरवरी 2026

आधुनिक महाकाव्यों के दबाव से कोई भी पूरी तरह मुक्त नहीं है।

- एलेन डी बॉट्टन, ब्रिटिश लेखक

किसकी विफलता

नेशनल ब्रह्मचरि ब्रैडिंग यूरो का डेटा बताता है कि 2013 से 2023 के बीच, एक दशक में स्टूडेंट्स के आत्महत्या करने की दर 65% बढ़ गई। इन सुसाइड के पीछे मुख्य बुराई नहीं पढ़ाई का प्रेशर और सामाजिक-पारिवारिक-आर्थिक दबाव। लेकिन, लखनऊ में जिस तरह का अपराध हुआ है, उसके पीछे केवल पढ़ाई का दबाव नहीं। यह परिवारों में बदती संस्कृतिगत और मानसिक स्वास्थ्य की विफलता का संकेत है।



पिता की हत्या

दबाव हुआ गुरुणा। पुलिस जांच के मुताबिक, फौलदारी लेव संयाक पिता चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने। वह उस पर NEET क्लियर करने का दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों में बहस हुई। 21 साल के बेटे ने पिता को गोली मारी और फिर जव को छुपाने के लिए उनके बंदरुके किए। कुछ टुकड़ों को बाहर ले जाकर फेंका, कुछ को घर में डुब में डालना, छोटी बहन को ड्रग-भक्करकर चुप रखना और पुलिस के सामने पहले पिता के लफांग होने और फिर खुदकुशी को कहानी पेश करना बताया है कि वह केवल आशय में उलझ गया कदम नहीं था।

करियर का दबाव। कैसे एक बेटे के भीतर इतनी ऊपरत पर सकती है कि वह अपने पिता के साथ इतनी नुर्सन वादयत को अंशभ दे! क्या 'कुल बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि उसके आगे रिसे टरक चार? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान करियर में अग्र्य करे, लेकिन कई बार इसकी वजह से पेशा अनदेखा दबाव 'फापन' है, जिसका उदाहरण सम्य रहते ही ला पाया। इस मामले में कई और वजह भी होगी, जो धीरे-धीरे चुपकती चली गईं और इस भयंकर वादयत का कारण बनीं - जिनका पता जांच में चलेगा।

दुर्लभ समने। भारत में NEET और JEE जैसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं लखों युवाओं के लिए उम्मीद का सतत हैं। लेकिन, यह भी सच है कि इन परीक्षाओं के साथ अग्र्यवाप दबाव युवा होता है। NEET में फिलहाल 23 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि JEE में 2026 सेसन-1 में 13.55 लाख रजिस्ट्रेशन थे। इनमें से बहुत बुरे होते हैं, जिन्हें अग्र्य संस्थाओं में प्रवेश मिल पाता है। हर साल कोट जैसे कोटिंग हब से स्टूडेंट्स के खुदकुशी की खबरें आती हैं।

सामाजिक संवाद। इस घटना का दूसरा बड़ा फल सामाजिक है। आगेपी स्टूडेंट की मां का निधन हो चुका है। हालांकि घर में चचा-चाची भी हैं। आर घर में लफांगार सदां होत, युवाक की मनोस्थिति को समझने की कोशिश की जाती, तो हो सकता है कि बात यहां तक न पहुंचती।

नाभि में तीर

'जय हो' रोड!

आज सुबह ही दूर के रिश्तेदार का फोन आया कि इसी रफने मुंबई पहुंच रहा हूं। न गेटवे ऑफ इंडिया देखना है, न जूट बीच जाना है, न फिल्मफेस्टी में लाइव स्ट्रिंग देवने की लालसा है, न गिरावण चौपटी की रोक में शामिल होना है, न बांडा सेंटिकले से गुजरकर कोई फिल महसूस करना है, बस एक ही मनोकामना है - 'जय हो' में एक-दो घंटे के स्पॉट में गहरी भागीदारी है। मैं एक-दो घंटे का 'जय हो' रोड चला है और चार घंटे पर रिश्तार कि हां, कुछ दिन पहले इसकी बड़ी चर्च हुई थी। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खुद कोस्टल रोड प्रोजेक्ट लाइविंग की थी। रिश्तार इस रोड के बारे में किफती की विचारणाएं व्यक्त कर रहा था, मैंने फौज खुराम की मरज से कहा - मुंबई पहुंच जाओ, फिर देखते हैं...

सचमुच कुछ काम ऐसे हैं, जिन्हें मुंबई ही कर सकते हैं या मुंबई में ही किया जा सकता है। ऐसी ही यह 'जय हो' रोड है। अधिस्कार मुंबई ने होरियन तकनीकों की मदद से एक सड़क को ही गविय बना दिया। अखल में कोस्टल रोड पर 500 मीटर का यह एक ऐसा जादूई टुकड़ा है, जहां अपर 70-80 की स्पॉट में मारी भागडें जाती हैं, तो सड़क खुद अधिस्कार विनिंग फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' का गॉन 'जय हो' गुगुनाने लगती है। कभल की म्यूजिकल रोड। दुनिया की फेचवो। भारत की फेचवो। यह है जो। बहुत गर्व है। लेकिन सच यह है कि कोस्टल रोड का यह 500 मीटर का टुकड़ा वह 'रेमार्क' है, जिसे रैकवो (किलोमीटर लंबी, हॉन के शोर से मरी, ट्रेफिक जाम और छोटे-बड़े गड़गें वाली टट जैसी सड़कों के बीच फेबंद की तरह जोड़ दिया गया है। यह एक उलटबुकी है। अस्कर गड़े बोलते हैं। हॉन बनते हैं। ट्रेफिक जाम में फेब आदमी जिल्लतत है। सो, सस्कार ने सेचा कि एक सड़क ऐसी बना दी जाए, जो गाया जाए। लेकिन मैं चार महीने बाद होनेवाली बरसत के बारे में सोच रहा हूं, जब मुंबई गड़गें से पट जाय करती है। तब तो इस रोड को 'जय हो' की तब पर सिर्फ 'जय हो' गाया चाहिए।



हरि महुल

हमारे राज्य का नाम संविधान की प्रथम अनुसूची में 'केरल' दर्ज है। संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत इसे संशोधित कर 'केरलम' किया जाए और 8वीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में राज्य का नाम 'केरलम' ही किया जाए।

एकदा

गुलाबी रंग बना ब्रैड

अमेरिका के टेक्सस की रहने वाली Mary Kay Ash अत्यंत मेहनती और महात्माकाही महिला थीं। एक कंपनी में उन्होंने बर्षों तक निष्ठा से काम किया, लेकिन जब उनसे जुनियर एक पुरुष कर्मचारी को प्रमोशन देकर उनके पैसों को योगाना कर दिया गया, तो उन्हें गहवय धक्का लगा। इससे पहले भी उन्हें कार्यक्षेत्र पर लैंगिक भेदाव का सामना करना पड़ा था। 45 वर्ष की आयु में उन्होंने नीकर छोड़ दी। पहले उन्होंने फिलॉसफी को आगे बढ़ने की सोचता देते के लिए पुस्तक लिखने का विचार किया, पर जल्दी ही समझ गई कि केवल शब्द काफी नहीं, उदाहरण बनना होगा। 1963 में उन्होंने अपनी बचत से Mary Kay Cosmetics की स्थापना की। शुरुआत में भी महिलाओं के सध एक छोटे ट्रेड से काम शुरू हुआ। उन्होंने गुलाबी रंग को ब्रैड बनाया और उलट-पुलट करने वाली फिलॉसफी को 'गुलाबी कैलिटेक' करके सम्पादित किया। कुछ ही वर्षों में कंपनी 30 से अधिक देशों में फैल गई और लखों महिला सेल्समैन्सों को पंग पिली। मैरी ने पिट कर दिख कि संस्कार और सहाय से महिला केवल सफल हो नहीं, नई राह भी बना सकती है।



सुब्रता धार

प्राइवेट यूनिवर्सिटी से स्टूडेंट्स के लिए मौके तो बने पर शिक्षा में गुणवत्ता नहीं मिली

क्वॉलिटी एजुकेशन की है ज़रूरत



मनोज झा

नई दिल्ली में हुए AI इम्पैक्ट संधि में ग्लोबलियेय यूनिवर्सिटी से जुड़े विचार ने दिखाया कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था के अंदर कई खामियां हैं, जिन्हें हम अस्कर बड़ी-बड़ी घोषणाओं और चमकदार कार्यक्रमों के पीछे छिपा देते हैं। ग्लोबलियेय मामले पर जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली, उसे देखते हुए लगता है कि समाज को आज भी गुणवत्ता से गंभीरता और भरोसे की उम्मीद है। लेकिन, सवाल है कि यह घटना अचानक हुई या वह भी उन्ही बदलती व्यवस्था का नतीजा है, जहां दिखावा धीरे-धीरे गुणवत्ता की जगह ले ले रहा है। **भरोसा नहीं बना पाए**। ग्लोबलियेय यूनिवर्सिटी की इस घटना को महान निजी संस्थान की गलती मान लेना ठीक नहीं होगा। इसे भारत की उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों के संकेत के तौर पर देखना चाहिए। पिछले 30 बरसों में प्राइवेट यूनिवर्सिटी तेजी से बढ़ी है। कला गृह है कि इससे छात्रों के लिए अस्कर बढ़ेंगे। कहीं न कहीं यह बात सही भी है, जबकि सरकारी यूनिवर्सिटी संधि संस्थाओं के कारण सही की जरूरतें पूरी करने में सक्षम नहीं की। हालांकि, जिस तेजी से यूनिवर्सिटी बढ़ी, उस रिश्तार से निम्न और शैक्षणिक व्यवस्था किसरिती हो रही सको। नवीनतन कई संस्थाओं के पास कागज पर फायदा तो है, लेकिन उनकी शिक्षा पर भरोसा नहीं।



UGC और अन्य संस्थाएं अस्कर गुणवत्ता पर ध्यान देने की जगह कगनी नियम पुर्य करने पर जोर देती हैं। कई राज्य सरकारों ने तो संछेद बल को उलपनिय मानकर कम संस्थाओं में ही यूनिवर्सिटी खोल दिए। नए वैषय, बड़ी इमारतें और विदेशी संछेदों के दावे विचारों की तस्वीरें दिखाते हैं, जबकि अखल में शोध और अकादमिक मजबूती भी जुर-आती तरह पर ही होती है।

रिश्तारों के बजाय अच्छे शिक्षकों और प्रशासन पर हो ध्यान। प्राइवेट यूनिवर्सिटी और ग्रेडिंग पर ही जोर **रिश्तारों और पढ़ाई में सरकारी से पिछड़ रहे हैं निजी संस्थान**। शिक्षा के बजाय अच्छे शिक्षकों और प्रशासन पर हो ध्यान **प्राइवेट यूनिवर्सिटी और ग्रेडिंग पर ही जोर** **रिश्तारों और पढ़ाई में सरकारी से पिछड़ रहे हैं निजी संस्थान**। शिक्षा के बजाय अच्छे शिक्षकों और प्रशासन पर हो ध्यान

केवल ज्ञान के केंद्र नहीं, ब्रैड और प्रशासन बनाने के स्थान भी बनने जा रहे हैं।

मिडिया की भूमिका। मिडिया भी इसे बढ़ावा देते हैं। बड़ी घोषणाएं, ड्रगटन सम्मेलन और तकनीकी उपलब्धियों की खबरें जबाब दिखाने हैं, जबकि शोध पर चर्चा काफी कम नजर आती है। फीचर पर निर्भर रहने वाली प्राइवेट यूनिवर्सिटी इस प्रकार में जबाब सकिने हैं। इससे शिक्षा और मांटेडिंग के बीच फसल का म हो जाता है। रैकिंग, प्लेसमेंट और बड़ी इमारतें ही गुणवत्ता के पैमाने बन जाते हैं। कम बजट, शोध के लिए संछेदों की कमी, शिक्षकों के रिश्तार बढ़ जैसी कई समस्याओं से सरकारी यूनिवर्सिटी भी जुर की है। इस कमी को निजी संस्थाओं ने पछा है, फार उनको गुणवत्ता बेसी नहीं है। **गुणवत्ता जरूरी**। पीजूड संसद किसे एक की मारती नहीं, बल्कि नतिशे का संसुक्त नतीजा है। इस विवाद को छोटी घटना मानकर पूजा जा सकता है, पर जेतवनी के तौर पर लिया जाए तो तुषार का मौका भी है। विश्वविद्यालयों की सख अग्र्य काम से बनती है। इसके लिए अच्छे शिक्षक, शोध में निवेश, विषयों के बीच संवाद और अकादमिक स्वतंत्रता जरूरी है। इनके लिए सम्भलत महव धरि सुधारने का सभान बन जाता है। **ब्रैड बनने की चाह**। पूरी दुनिया में यूनिवर्सिटी के बड़ने वाबरीकरण पर चिंतन जाइइ जा रही है। ब्रिटिश लेखक पीटर फ्लेमिंग ने अपने किताब 'Academia: How Universities Die' में ऐसे संस्थाओं को जिनो यूनिवर्सिटी कहा है, जो भीतर से जोखले होते हैं। प्राइवेट यूनिवर्सिटी में भी यही चिंता है। अर्द्धशिक्षल इंटीलेजेंट (AI) जैसे शेषों में कार्यक्रम कर संछेदन खुद को भीषण के लिए तैयार दिखते हैं। अस्कर गुणवत्ता के साथ काम करत है। अब यूनिवर्सिटी



अपने ही भीतर बैठे दुश्मनों से लड़ना सिखाता है रमजान देवेन्द्रराज सुधार

पेंगवर मुहम्मद राहबन ने एक बार कहा था कि बाहरी शत्रु से लड़ना छोटा जिहाद है और अपने नाफस से लड़ना बड़ा जिहाद। नाफस अर्थात् शब्द है, जिसका मूल अर्थ है - स्व, अंतःकरण, आत्म-चेतना व मनुष्य का आंतरिक व्यवस्था। रमजान इसी बड़े जिहाद का महीना है। यह वह महीना है, जब इंसान अपने सबसे शत्रु का सामना करता है और वह शत्रु कभी बाहर नहीं, उसके भीतर बैठा है - इच्छाओं के रूप में, अहंकार के रूप में, लालच के रूप में, अग्र्यम के रूप में। इस शत्रु से लड़ना इस्लाम किताब है क्योंकि यह दिखता नहीं, महसूस होता है और जो दिखता नहीं उससे लड़ना सबसे बड़ी चुनौती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्थाओं ने इच्छा और आवश्यक्ता के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। बाजार ने रिश्तार है: How you eat, how you live। प्रत्येक कामजोरी है और संसम फिजिआपान। रमजान इस मानसिकता के विरुद्ध एक शान्ति किताब प्रतियोग है। यह केवल शर्हिक राखन नहीं, बल्कि उपभोग-केंद्रित जीवन-दृष्टि पर अग्र्यविधि है, जिससे मनुष्य को सुविधाओं से पर दिख है, पर संसप से खाली कर दिया। मनोविज्ञान भी मानता है कि अधिकांश मानवीय समस्याएं अलग इच्छाओं से जन्म लेती हैं। रमजान इस चहल को विषय करके पुरतत है - तुम अपने इच्छाओं के स्वामी हो या दास? यह फन सतस दिखता है, पर चरित्र की गहराई को परखता है। एक महीना दरअसल शोध 11 महीनों के लिए आत्म-अनुशासन का प्रशिक्षण है। पर्यवरण संसद के संसंध में भी रमजान शरफिक है। प्रकृति के संसाधनों पर असीमित अधिस्कार की प्रवृत्ति ने असंतुलन पैदा किया है। संसप का संदेश कहता है कि जिनमें आवश्यक्ता हो, उनका ही हो। यह दुर्घटित जीवन का स्वामी मूल्य बने, तो मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य संसंध है। जक्कर और फिलत अधिस्कार न्यध का शेष करत है कि संसंध में जितने का भी अधिस्कार है। बदती वैश्विक विषमता के बीच यह विचार सामाजिक संतुलन का आधार का संकेत है। इस प्रकार रमजान आधुनिक, सामाजिक न्यध और सामूहिक चेतना का संकुचित फल है।



देवेन्द्रराज सुधार

सोशल मीडिया के बारे में सच कहने का समय

सोशल मीडिया के दुर्घपेय और उससे समाज, खलकर बचने पर पहले वाले नकायामक अस्कर को लेकर बातें होती रहती हैं, लेकिन अधिस्कार में पिछले दिनों इसी के चलते फेसबुक संस्थापक मार्क जकरबर्ग को एक अखलत में पेश होना पड़ा। अधिस्कार में संछेदल मिडिया कंपनियों के खिलफ एक हलबा से भी जबाब देना बत रहे हैं। आशेप है कि सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म अपना फनोवैरिटी पेश बगत है, जिससे इन्फो की लत लग जाय।

इन्फेल बने सभुत। लॉस एंजलस के निवासी मुकटप में जकरबर्ग की पेशी हुई, उसे 20 साल को एक लड़की केली ने उषर किताब है। उसका आरोप है कि 6 साल की उस से ही वह संछेदल मिडिया का इस्तेमाल कर रही है। इससे वह नुसकानादेर कंटेंट के संसंध में आई और उसकी जिंशो प्रगति हुई। विश्व के लीगन जकरबर्ग के सामने उनकी कंपनी के 10 लाख पुराने इमेल पेश किए गए। इसमें कहा गया था कि जकरबर्ग का 12% बतन बढ़ने के लिए एलॉगोवैरिटी तैयार किया जाए। मार्क ने कहा कि पहले हम बतन बढ़ने का लक्ष्य रखते थे, लेकिन अब कंपनी को इस अंशय में नहीं चलना था। उन्होंने तर्क दिया कि जब लोगों को कोई चीज अग्र्य लगती है तो वे जबाब इस्तेमाल करने लगते हैं।

न्यूयॉर्क को लेकर चिंता। जकरबर्ग मिडिया इस्कार करे, लेकिन संछेदल मिडिया का इस्तेमाल करने वाले जानते हैं कि जिस तरह के कंटेंट को वे जबाब देखते हैं, वही बार-बार उनके सामने आता है। इसी वजह से भारत में अधिस्कार और डल-जकूल डांस और

साल 2010 में शुरू हुई अग्र्य क्रांति सोशल मिडिया की ही देन बरई गई। लेकिन, अब परिमर्क देशों में संछेदल मिडिया को संसंध और कुछ अग्र्य में पाबंद करने की कोशिश शुरू हो गई है। फ्रंस, डेनमर्क और नर्वे में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मिडिया इस्तेमाल करने पर रोक है। स्पेन में यह सीमा 16 साल है। अस्ट्रेलिया ने भी बौते दिखार में ऐश ही कस्य उषय। **रैगुलेसन जरूरी**। एशिया नहीं कि भारत में सब कुछ अग्र्य ही चल रहा है। यहां रॉलिंग के चक्कर में हो रहे हादसों और गीसने वाली की कहांतियां आइ दिख आती रहती हैं। लेकिन, लफात नहीं कि अभी इसकी गंभीरता के बारे में अधिस्कार या यूरोप जैसा सोच जा रहा। सोशल मिडिया को रैगुलेट करने का वक्त आ गया है।

कांटे की बात

हमारे राज्य का नाम संविधान की प्रथम अनुसूची में 'केरल' दर्ज है। संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत इसे संशोधित कर 'केरलम' किया जाए और 8वीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में राज्य का नाम 'केरलम' ही किया जाए।



पिनाराज विजयन, केरल के मुख्यमंत्री

बच्चों की टोली ने 48 गांवों को किया प्लास्टिक फ्री

कन्नडकुनरु ने हींद महासंघर के तट पर बसे 48 गांवों को यह रहने वाले मनुआओं के बच्चों ने प्लास्टिक फ्री कर दिया है। इसमें न सरकार और न ही किसी NGO की भूमिका है। 'नेंजोई इल्ल नेसल पार्स' (प्लास्टिक मुक्त लटोय विंगड) की टीम ने इसका बेड़ा उलथा है।



प्लास्टिक मुक्त लटोय विंगड की टीम ने इसका बेड़ा उलथा है।

बन गया पर्यटन स्थल

इन गांव वालों के लिए आर का सिकं एक जयिष्य था, मधुरी फावना। लेकिन, 250 लुकी लुकी और 500 केजुट के फलफल एक कायमवत शिष्य कि अग्र बतन करके 300 से उषय पर्यटक पहुंच रहे हैं। बच्चों की टीम ने मिलकर यह 6 बीच में तैयार किए हैं, जिनकी सफाई-सफाई हर हफ्ते टीम के सदस्य ही करती हैं।

प्लास्टिक देने पर साइकल

बच्चों की विंगड ने 'डोर-टु-डोर' दूध के पैकेट कलेक्शन को भी शुरूआत की है। जो परिवार सारने उषय प्लास्टिक रैसइकल करत है, उसे साइकल व अन्य वस्तु सभन पुरसकार के तौर पर दिया जात है। इसजुद किए गए प्लास्टिक बैक्डर टीम अग्रन खर्च फिलाल है।

प्रस्तुति: अधिस्कार मिश



प्रस्तुति: अधिस्कार मिश

जनसंख्या नियंत्रण या ज्यादा बच्चे, क्या है मंशा

पूना पाण्डे **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघबालक मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदुओं की घटती आबादी पर चिंतन जाइइ है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। देश में एक तरफ जनसंख्या नियंत्रण कागुन पर चर्च हो रही है, तो दूसरी तरफ संप्रभु का बचन इसके नैतिक और सामाजिक अस्कर को लेकर चर्चा में है।**

बदलती डेमोग्राफी पर चिंता। हालांकि संसंधीय के दुरारे संसंधन जनसंख्या नियंत्रण कागुन की कवलत करत रहे हैं, वे जनसंख्या विषयके के सध बदलती डेमोग्राफी पर भी चिंतन जाइइ रहे हैं। संसंध के राजनीतिक संसंधन BJP की कई राज्य में डेमोग्राफी में बदलाव को लेकर सचेत कर रही है। अब सवाल है कि क्या जनसंख्या नियंत्रण होना चाहिए और जो से अधिक् बच्चे नहीं करने के लिए प्रोत्सहित करतु चाहिए या हिंदुओं को तीन बच्चों की संसंध देनी चाहिए।

में बदती जनसंख्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से कहाई गई थी। 1991 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर, 1992 में पट्टीय विस्तर परिसद ने केरल के मुख्यमंत्री के, करणकरण की अधिस्कार में एक संसंध किया। इस संधि ने 1993 में रिपरिरी की कि संसंध ऐशय कागुन बनाए विस्तर में दो से अधिक् बच्चों वाले लोग पंचायत से लेकर संसंध तक किसी भी निश्चित पर पर न रह सके। यह नीति राष्ट्रीय स्तर पर लागू नहीं हुई, लेकिन कई राज्य ने इसे अपनाया। यह में उलटवटत और लेगनाज जैसे राज्य ने इसे हटा दिया। मधुप्रदेश में 2005 में यह नीति स्वस्थानिय विस्तरों के निश्चित प्रतियोगिता पर हटा दी गई, जबकि सरकारी और न्यधिक संसंध पर यह निष्क्य अब भी लागू है। 2024 में आंध्र प्रदेश ने स्थानीय निस्तरों के लिए इसे समाप्त किया, लेकिन संसंध के संसंधन विषय हिंदु परिसद ने इसका विरोध किया। यह दिखता है कि जनसंख्या नियंत्रण पर सारण राज्यों में सभय और परिस्थिति के अनुकर बदलते रहते हैं।

का कारण है देश में जनसंख्या नियंत्रण कागुन की जकलत पर चर्च के बीच 25 जुलाई, 2022 को सरकार ने संसंध में कहा कि फिलहाल ऐशय कोई कागुन बनाने की खोजना नहीं है। सरकार ने बतना कि वह नैसलत पाण्डुसंधन पॉसिबल 2020 और नैसलत देल्य फॉलिसरी 2017 के तहत 2045 तक आबादी स्थिर करने का लक्ष्य रखती है।

बदलते रहते हैं प्रयास। दो-बच्चों की नीति 1990 के दशक

दिल्ली महानगर

नवम्बर टाइम्स | नई दिल्ली | बुधवार, 25 फरवरी 2025



AIIMS में इलाज कराने आने वाले मरीजों को पर्यटन से बचाने के लिए एकवार पर्यटन मैनेजमेंट प्लान। - **प०**

विधानसभा अध्यक्ष के रूप में एक सत्र शुरू होने पर विजेत मुखे ने अपने एक साल का रिपोर्ट कांट रखा। आगामी एंजेंट की घोषणा भी की - **प०**



रव्य दिल्ली का AQI मंगलवार को गुरुग्राम का 307 रव्य

239 29.9 डिग्री रव्य मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान। रव्य रव्यमान्य से 4 डिग्री अधिक है



गुरुग्राम तक पहुंचेगा नजफगढ़ ड्रेन कॉरिडोर

नजफगढ़ ड्रेन पर बनेगी 61km लंबी सड़क



■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली
नजफगढ़ ड्रेन के दोनो किनारों पर 61 किलोमीटर लंबी सड़क होगी। दिल्ली से शुरू होकर यह कॉरिडोर गुरुग्राम तक पहुंचेगा। इसके निर्माण पर 455 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसे दिल्ली सरकार के प्राथमिक एमएनईएफ बजट की बंटवारा में मंजूर कर लिया गया है। मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस परियोजना का मतलब है कि दिल्ली के पश्चिम दिशा में नई सड़कें बनाने के लिए दिल्ली के परिवहन दफ्ते को नई दिशा देनी है।

453.95 करोड़ से बनेगा कॉरिडोर, पिली मजदूरी

इस परियोजना के अंतर्गत 61 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसमें नजफगढ़ ड्रेन के दोनों किनारों पर सड़कें बनाई जाएंगी। इस परियोजना का कुल खर्च 453.95 करोड़ रुपये का है। इसमें नजफगढ़ ड्रेन के दोनों किनारों पर सड़कें बनाई जाएंगी। इस परियोजना का कुल खर्च 453.95 करोड़ रुपये का है।

विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने आयुष्मान योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच।

3.96 लाख विधवा और करीब 1.31 लाख दिव्यांग दफ्ते में आएंगे

मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच।

शेरी के परिवारों, 70 वर्ष से अधिक आयु के जिरफ नगरियों, अल्प आयु के अंतर्गत होंगे। उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली में 7 लाख 23 हजार 200 आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से 2 लाख 74 हजार 600 कार्ड विधवा नगरियों को दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच। इस योजना के अंतर्गत विधवा, दिव्यांगों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का हेल्थ कवच।

महानगर में आज



गोपी गवैया...
दिल्ली में आज गोपी गवैया का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में गोपी गवैया का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में गोपी गवैया का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में गोपी गवैया का कार्यक्रम होगा।

नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस परियोजना को नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना को नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना को नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीएम का दावा, दिल्ली के गांवों को मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं

246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि दिल्ली के गांवों को मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं। इस योजना के अंतर्गत 246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है। इस योजना के अंतर्गत 246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है।

मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है। इस योजना के अंतर्गत 246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है। इस योजना के अंतर्गत 246 करोड़ के 49 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया है।

मर्डर में जमानत पर आए युवक को दौड़ाकर मारी गोलियां, मौत

■ NBT न्यूज, देहरादून



देहरादून में एक मर्डर मामले में जमानत पर आए युवक को दौड़ाकर मारी गोलियां, मौत। इस मामले में जमानत पर आए युवक को दौड़ाकर मारी गोलियां, मौत। इस मामले में जमानत पर आए युवक को दौड़ाकर मारी गोलियां, मौत।

नोएडा एयरपोर्ट पर पैसेंजरों के लिए वर्ल्ड क्लास किचन

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून



नोएडा एयरपोर्ट पर पैसेंजरों के लिए वर्ल्ड क्लास किचन। इस किचन में पैसेंजरों के लिए वर्ल्ड क्लास किचन। इस किचन में पैसेंजरों के लिए वर्ल्ड क्लास किचन। इस किचन में पैसेंजरों के लिए वर्ल्ड क्लास किचन।

इस बार 10-12 दिन पहले ही दिल्ली से टंड ने ले ली विदाई



इस बार 10-12 दिन पहले ही दिल्ली से टंड ने ले ली विदाई। इस बार 10-12 दिन पहले ही दिल्ली से टंड ने ले ली विदाई। इस बार 10-12 दिन पहले ही दिल्ली से टंड ने ले ली विदाई। इस बार 10-12 दिन पहले ही दिल्ली से टंड ने ले ली विदाई।

50 फुट गहरी खाई में गिरी थार, एक की मौत

■ NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद



50 फुट गहरी खाई में गिरी थार, एक की मौत। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

सिरोंही में घूमने दूर-दूर से आते हैं युवा

■ NBT रिपोर्ट, सिरोंही



सिरोंही में घूमने दूर-दूर से आते हैं युवा। सिरोंही में घूमने दूर-दूर से आते हैं युवा। सिरोंही में घूमने दूर-दूर से आते हैं युवा। सिरोंही में घूमने दूर-दूर से आते हैं युवा।

शाहबाद पुलिस। रवेरा नगर। सान्नी नगर। लाजपत चौक। जहांगीरपुरी। बसंत कुंज। कबीरबाद। परिवार विहार। कौर्डी नगर। सफरचंदपुर। पुरखेवा। महरौली। भाकपुरी। रबीत नगर। राजेंद्र नगर। पहाड़गंज। नारायण। मौजपुर। मिनाकली। कालकाठी। नानाल राधा। सूरत विहार। ब्रिज विहार। वसंत विहार।

नस्लीय टिप्पणी मामले में आरोपी से हुई पूछताछ

मालवीय नगर में दंपती ने नॉर्थ-ईस्ट की युवतियों पर की थी नस्लीय टिप्पणी, इसके बाद बढ़ा विवाद

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मालवीय नगर में एक दंपती के मॉडर्न इंट की युवतियों पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने जंच तेज कर दी है। पुलिस सूत्री के अनुसार मामला 20 फरवरी को उत्तर नगर में हुआ था। पुलिस ने घटना को लेकर उभरी पूछताछ की। इसके अलावा दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की है।

अधिकारी के अनुसार दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार घटना 20 फरवरी को उत्तर नगर में हुई थी। पुलिस ने घटना को लेकर उभरी पूछताछ की। इसके अलावा दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की है।

विवाद शुरू हुआ 4 मिनट 39 सेकंड का विडियो



सूत्रियों ने मामला: सोशल मीडिया पर इस घटना का विडियो वायरल होने के बाद इसने तूल पकड़ लिया है

'पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा'

अभिमान दिल्ली के मालवीय नगर में रहने वाली अरुणाल प्रसाद की हमारी तैयारी

अभिमान दिल्ली के मालवीय नगर में रहने वाली अरुणाल प्रसाद की हमारी तैयारी है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा।

'पूर्वोत्तर के लोगों से अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'

मालवीय नगर में अरुणाल प्रसाद की तैयारी

मालवीय नगर में अरुणाल प्रसाद की तैयारी है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा।

तिलक नगर में नाबालिग की हत्या, थाने पहुंचे परिवार पर 'लाठीचार्ज'

परिवार का कहना- FIR की कॉपी मांगने गए, प्रदर्शन करने के दौरान पीटा

■ NBT न्यूज, तिलक नगर

तिलक नगर में 20 वर्ष की आयु की एक युवती की हत्या की घटना में पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। परिवार का कहना- FIR की कॉपी मांगने गए, प्रदर्शन करने के दौरान पीटा। परिवार का कहना- FIR की कॉपी मांगने गए, प्रदर्शन करने के दौरान पीटा।

तिलक नगर में 20 वर्ष की आयु की एक युवती की हत्या की घटना में पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। परिवार का कहना- FIR की कॉपी मांगने गए, प्रदर्शन करने के दौरान पीटा। परिवार का कहना- FIR की कॉपी मांगने गए, प्रदर्शन करने के दौरान पीटा।

परिवार वालों का कहना है कि पुलिस की ओर से जो नई मारपीट का उनको पास विडियो भी है



परिवार वालों का कहना है कि पुलिस की ओर से जो नई मारपीट का उनको पास विडियो भी है

क्रिकेट के खेल में दो बच्चों के बीच में चूल्हा हुआ था झगड़ा

आरोपी पक्ष के लोगों ने घर आकर लड़के को तुरंत पीटा

मारपीट के बाद लड़के की हुई मौत, मरने वाले की उम्र 14 साल

क्रिकेट के खेल में दो बच्चों के बीच में चूल्हा हुआ था झगड़ा। आरोपी पक्ष के लोगों ने घर आकर लड़के को तुरंत पीटा। मारपीट के बाद लड़के की हुई मौत, मरने वाले की उम्र 14 साल।

गुडगांव में लग्जरी कार से भिड़ी SUV तो रोड पर ही की हाथापाई

■ NBT रिपोर्ट, DLF फेज-1

गुडगांव में लग्जरी कार से भिड़ी SUV तो रोड पर ही की हाथापाई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने का दिया है भरोसा।

गुडगांव में लग्जरी कार से भिड़ी SUV तो रोड पर ही की हाथापाई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने का दिया है भरोसा।

शाहीन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शाहीन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो। शाहीन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो।

शाहीन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो। शाहीन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो।

तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश

Vishalsharma3@timesofindia.com

तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश। तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश।

तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश। तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश।



500 से अधिक बांग्लादेशी युवा डेड सल हिफाई किया गया है

तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश। तमिलनाडु के तिरुपुर को Let बना रहा है अपना नया बेस स्पेशल सेल को दिल्ली में है एक बांग्लादेशी की तलाश।

PCR स्टाफ ने दो गाइड्स को छुड़वाया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अरुणाल प्रसाद की तैयारी

PCR स्टाफ ने दो गाइड्स को छुड़वाया। अरुणाल प्रसाद की तैयारी है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का दिया है भरोसा।

MCD स्कूल के कमरे में आग, चौकीदार की हुई मौत

■ नवीन मिश्र, राहौल

MCD स्कूल के कमरे में आग, चौकीदार की हुई मौत। नवीन मिश्र, राहौल। MCD स्कूल के कमरे में आग, चौकीदार की हुई मौत।

द्वाराक में बिल्लिंग में अटकी लिफ्ट, घंटों फसे रहे तीन लोग

■ नवीन मिश्र, द्वाराक

द्वाराक में बिल्लिंग में अटकी लिफ्ट, घंटों फसे रहे तीन लोग। नवीन मिश्र, द्वाराक। द्वाराक में बिल्लिंग में अटकी लिफ्ट, घंटों फसे रहे तीन लोग।

द्वाराक में बिल्लिंग में अटकी लिफ्ट, घंटों फसे रहे तीन लोग। नवीन मिश्र, द्वाराक। द्वाराक में बिल्लिंग में अटकी लिफ्ट, घंटों फसे रहे तीन लोग।

जहांगीरपुरी की मस्जिदों को अवैध कब्जा बताने वाली याचिका खारिज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

जहांगीरपुरी की मस्जिदों को अवैध कब्जा बताने वाली याचिका खारिज। NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली। जहांगीरपुरी की मस्जिदों को अवैध कब्जा बताने वाली याचिका खारिज।

जहांगीरपुरी की मस्जिदों को अवैध कब्जा बताने वाली याचिका खारिज। नवीन मिश्र, राहौल। जहांगीरपुरी की मस्जिदों को अवैध कब्जा बताने वाली याचिका खारिज।

DU: ग्वायर हॉल हॉस्टल में निकाली पिस्टल, होगी जांच

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

DU: ग्वायर हॉल हॉस्टल में निकाली पिस्टल, होगी जांच। नवीन मिश्र, राहौल। DU: ग्वायर हॉल हॉस्टल में निकाली पिस्टल, होगी जांच।

शहिन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शहिन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो। शहिन बाग में हंगामा, मार्केट करानी पड़ी बंद, लड़की बोली- गलत काम कर रही हूँ तो FIR करो।

'इल्लिगल कर कर रही हूँ तो सॉरी...'

■ नवीन मिश्र, राहौल

'इल्लिगल कर कर रही हूँ तो सॉरी...' नवीन मिश्र, राहौल। 'इल्लिगल कर कर रही हूँ तो सॉरी...' नवीन मिश्र, राहौल।

'इल्लिगल कर कर रही हूँ तो सॉरी...' नवीन मिश्र, राहौल। 'इल्लिगल कर कर रही हूँ तो सॉरी...' नवीन मिश्र, राहौल।

अवैध कब्जों की चपेट में टूरिस्ट स्पाँट्स की एंट्री

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

काठौत, पुराना दिल्ली, विजिटाबल और पर्यटक स्मॉल की रोड पर बड़े अतिक्रमण के कारण यहां एंटीक बनाने का मन बकवास आरम्भ हुआ। पर्यटकियों को जमाना टूटती पड़ रही है। विश्व प्रसिद्ध लाल किला, पुराना किला और विजिटाबल इन इलाकों का सबसे अधिक शिकार है। संवर्धन अर्थात् रोड के अंतर्गुह पर भी फुटवॉक पर कोयला ड्रेजिंग कराने लगे हैं। इनका सम्भालना कई सालों से लोग भुगत रहे हैं।



ताज उदाहरण नए साल के पहले दिन का ही है। विजिटाबल प्रशासन और ऑटोमोबाइल सर्विसेज ऑफ इंडिया (ASI) के दिल्ली संचालन ने पुलिस से अतिक्रमण के विनाश व्यवस्था बनाने का अनुरोध किया है। अतिक्रमण को अतिक्रमण नहीं होने के कारण लोगों को अपने पर्यटनिक सपने का सपना बन रहा है। पर्यटक के साथ आरंभ लोग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। पुराना किला के अतिक्रमण ने बलाक कि अतिक्रमण के विनाश एवम् नहीं होने के कारण लोग का ड्रेजिंग हो गया है।



1 विजिटाबल के पास रोड पर सड़ती रहती है दुकानें



2 लाल किले के पास भी रेल्वे स्टेशन का कब्जा

लाल किला में भी इसी प्रकार के हालात हैं। किला के साहसिक रोड के सामने एंटीकवेस्ट, अतिथि पर्यटन, और लोगों की भीड़ पर्यटकों को विजिटाबल बना देती है। ASI के एक अधिकारी ने बताया कि विजिटाबल पर्यटक इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। एक कारण निम्न 2 साल में लाल किला देखने आए विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार काम हो रही है। अधिकारी ने बताया कि ASI की तरफ से कई बार टोपींग, एमपीएम और पुलिस के पास स्थिति सूचना के लिए कहा गया है। बैंडों में अधिकारी सम्मन्धन डूब कर का खत बताने हैं। मगर 15 अप्रैल और VVIP बन्द के अलावा कोई एवम् नहीं लिया जाता। हाल यह है कि फुटवॉक से लेकर सड़क की करीब रोड लेन पर एंटीकवेस्ट है।

कराला : गंदे पानी से खराब हुई सड़क

■ NBT रिपोर्टर, कराला

सड़क से बहावला की ओर जाने वाली सड़क को हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। वृद्धा-2 के पास नाले का अतिक्रमण पानी सड़क पर जमा होने से लोगों का खाने से पैल निकलना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि स्कूल बच्चों को भी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

लोगों को हो रही है परेशानी



NBT ने देखा कि 10 फीट गहरे नाले की बाउंड्री ही नहीं छतरपुर में हर साल हादसे के मामले सामने आते हैं

■ राम त्रिपाठी, छतरपुर

NBT रिपोर्टर छतरपुर में गंदे पानी के नाले की बाउंड्री ही नहीं छतरपुर में हर साल 1-2 दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं।



NBT रिपोर्टर छतरपुर में गंदे पानी के नाले की बाउंड्री ही नहीं छतरपुर में हर साल 1-2 दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं।

NBT रिपोर्टर ने गंदे पानी के नाले की बाउंड्री ही नहीं छतरपुर में हर साल 1-2 दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं।

अशोक विहार फेज-2 और दशरथपुरी की समस्या पर मिले जवाब



पब्लिक का सवाल



पब्लिक का सवाल

नई दिल्ली के अतिक्रमण फेज-2 में भूकंप गैर, हलिकर आदि के फल में नाले खुल गए हैं, जो कभी भी हादसे का खतरा बन सकते हैं। -NBT रिपोर्टर

यह तस्वीर छतरपुर में गंदे पानी के नाले की बाउंड्री ही नहीं छतरपुर में हर साल 1-2 दुर्घटनाओं के मामले सामने आते हैं। -NBT रिपोर्टर

अफसर का जवाब

अफसर का जवाब

छंटाई नहीं होने से हादसे की आशंका

■ NBT रिपोर्टर, महारौली

पुराना दिल्ली, विजिटाबल और पर्यटक स्मॉल की रोड पर बड़े अतिक्रमण के कारण यहां एंटीक बनाने का मन बकवास आरम्भ हुआ। पर्यटकियों को जमाना टूटती पड़ रही है। विश्व प्रसिद्ध लाल किला, पुराना किला और विजिटाबल इन इलाकों का सबसे अधिक शिकार है। संवर्धन अर्थात् रोड के अंतर्गुह पर भी फुटवॉक पर कोयला ड्रेजिंग कराने लगे हैं। इनका सम्भालना कई सालों से लोग भुगत रहे हैं।

मुंडका : कम्पेक्टर मशीन लगी, फिर भी सड़क किनारे फेंका जा रहा कूड़ा

■ NBT रिपोर्टर, मुंडका

मुंडका इलाके में सड़क किनारे कूड़ा फेंकने का मामला सामने आया है। कम्पेक्टर मशीन लगी है, फिर भी सड़क किनारे फेंका जा रहा कूड़ा।



हाइडरॉपल सस्कार कार्यालय का कार्यलय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

ई-अपलक्रीन विविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा संख्या - RDSP/SD/HZB/40/2025-26

क्र.सं.	आईईटी का विवरण	प्रकल्प	संयोजक का नाम	आवकत राशि	अनुदान की राशि	परिमाणु बिजली का मूल्य	कार्य करने की अवधि
1.	RDSP/SD/HZB/40/2025-26	बढ़ावागत प्रकल्प अंतर्गत पंचायत वार्ड के काम-निर्माण के अन्तर्गत नाले विद्युत की किण्वो हटाने की कार्यवाही का निर्माण।	बढ़ावागत प्रकल्प अंतर्गत पंचायत वार्ड के काम-निर्माण के अन्तर्गत नाले विद्युत की किण्वो हटाने की कार्यवाही का निर्माण।	30486800.00	609800.00	10000.00	12 माह

2. वेबसाइट में विविदा प्रकाशन की तिथि - 02.03.2026

3. ई-निविदा प्रारंभ की तिथि एवं समय - तिनांक 02.03.2026 से तिनांक 10.03.2026 को अपरान्ह 5.00 बजे तक

4. ई-निविदा खोलने का समय - कार्यपालक अभियंता का कार्यलय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 11.03.2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक

6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पद - कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

7. ई-निविदा प्रकल्प का दस्तावेज संख्या - 0430154806

8. परिमाण बिजली की राशि घट-बढ़ सकती है तदनुसार अनुदान की राशि देय होगी।

9. निविदा हुकूम एवं अनुदान की राशि के संबंध में Online DD द्वारा सविधान्य प्रमाणित किया जाएगा।

10. निविदा हुकूम एवं अनुदान की राशि का ई-मुद्रांकन निम्न प्रकार से किया जाएगा, उरती खाते में अनुदान की राशि वास्तु होगी।

विराट जाणकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यलय की सूचना पत्र पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 373521 Rural Development(25-26)#D

GOVERNMENT OF JHARKHAND DEPARTMENT OF MINES AND GEOLOGY DIRECTORATE OF GEOLOGY

(Engineers' Hostel No-2, 2nd Floor, Dhanu, Ranchi-834004)

CORRIGENDUM

This is to inform all concerned that the replies to the queries received from various applicants during the pre-bid meeting held on 16.02.2026, along with the necessary revisions to the Short Tender published vide Tender Reference No. 10/2025-26 dated 06.02.2026 & PR No. 373257, dated 06.02.2026, have been uploaded on the official website of the Government of Jharkhand: www.jharkhand.gov.in. The last date of the submission of the bid/tender has been extended up to 09.03.2026 till 01:00PM. All prospective bidders are requested to download the same and submit their bids accordingly.

Sd/-
Director, Geology
Directorate of Geology,
Department of Mines & Geology,
Government of Jharkhand

PR 373516 (Mines and Geology) 25-26 (D)

दिल्ली से AGMUT काडर के 6 IAS अफसरों का हुआ तबादला

■ NBT रिपोर्टर, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दिल्ली सरकार में कार्यरत AGMUT काडर के 6 अफसरों को तबादले का आदेश जारी किया है। केंद्र सरकार ने दिल्ली हॉमो टो स्टेट मिनिस्टर सॉलिसिजन के तहत 22 अफसरों को प्रमोटे करने के अंतर्गत विचार किया था, उनमें से 6 अफसरों को शामिल किया है, जिन्हें प्रमोशन मिला था। अब इनकी दिल्ली से बाहर नियुक्ति का आदेश भी जारी हो गया है।

गृह मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, दिल्ली से तबादला पाएंगे के अफसरों के नाम हैं: श्री. अशोक कुमार, श्री. अशोक कुमार।

15000 करोड़, क्या 48 गांवों की बदलेगी सूरत ?

■ राजेश पोखरी, नई दिल्ली

दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्रामीण विकास के विकास के लिए DDA ने विगत वर्ष 2026-27 के लिए 15,000 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। शुक्रवार को एलन विजय कुमार सम्मेलन की अध्यक्षता में हुई बैठक में बजट को हरी झंडी दी गई। DDA के अनुसार बजट का मुख्य फोकस दिल्ली के बड़े 48 गांवों का शहरीकरण है। इसके अलावा अल्ट्रा हाई रीजियन को सम्मन्धन, नाले, एंटीकवेस्ट, नाले, एंटीकवेस्ट और एंटीकवेस्ट को हटाने के लिए भी बजट में ध्यान देना है।

DDA ने 2026-27 के लिए बजट किया पास

सुविधाओं पर किया जाए।

अब सवाल है कि 15,000 करोड़ रुपये का बजट जमीन पर कितना अंतर दिखाएगा और क्या सच में 48 गांवों को तबदील बदलेगा? इसका जवाब देने वाला समय ही होगा।

शेडर फंड वृद्ध कराने की एंटीकवेस्ट के पास जमीन का कहना है कि केंद्र सरकार की प्रमोशन योजना और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का फायदा दिल्ली के ग्रामीण इलाकों तक प्रकाशित हो नहीं पाएगा। उनका आरोप है कि दिल्ली के 360 गांवों में से सिर्फ 41 गांवों में स्वामित्व योजना और वार्डरचना बनकर चली गई है।

अब सवाल है कि 15,000 करोड़ रुपये का बजट जमीन पर कितना अंतर दिखाएगा और क्या सच में 48 गांवों को तबदील बदलेगा? इसका जवाब देने वाला समय ही होगा।

शेडर फंड वृद्ध कराने की एंटीकवेस्ट के पास जमीन का कहना है कि केंद्र सरकार की प्रमोशन योजना और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना का फायदा दिल्ली के ग्रामीण इलाकों तक प्रकाशित हो नहीं पाएगा। उनका आरोप है कि दिल्ली के 360 गांवों में से सिर्फ 41 गांवों में स्वामित्व योजना और वार्डरचना बनकर चली गई है।

NBT नवभारत टाइम्स

बुलंदशहर की फैक्ट्री में ट्रायल के PRAGATI KA PARTNER

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in